

भारत की नरियात क्षमता

प्रलिमिंस के लिये:

[भारत का शीर्ष नरियात ज़िला](#), [मेगा इंटीगरेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल \(MITRA\) पार्क](#), [रूस-यूक्रेन युद्ध](#), [उद्योग 4.0 परादयोगकियाँ](#), [अंतरिक्ष](#), [अर्द्धचालक](#), [सौर ऊर्जा](#)

मेन्स के लिये:

भारत में नरियात क्षेत्र की स्थिति, नरियात क्षेत्र से संबंधित चुनौतियाँ

चर्चा में क्यों?

भारत में गुजरात का जामनगर [शीर्ष नरियात ज़िला](#) है। इसने वित्त वर्ष 2023 (जनवरी तक) में मूल्य के संदर्भ में भारत के नरियात में लगभग 24% की भागीदारी की है।

- गुजरात में सूरत और महाराष्ट्र में मुंबई उपनगर दूरी के आधार पर क्रमशः दूसरे एवं तीसरे स्थान पर हैं, जसिने वित्त वर्ष 2023 में देश के नरियात में लगभग 4.5% की भागीदारी की है।
- शीर्ष 10 में अन्य ज़िले दक्षिण कन्नड़ (कर्नाटक), देवभूमिद्वारका, भरूच और कच्छ (गुजरात), मुंबई (महाराष्ट्र), कांचीपुरम (तमलिनाडु) एवं गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) हैं।

Export hubs

The data for the maps and the table was sourced from the export import dashboard maintained by the Ministry of Commerce. All the data pertains to the year FY 2022-23 (until January)

MAP 1

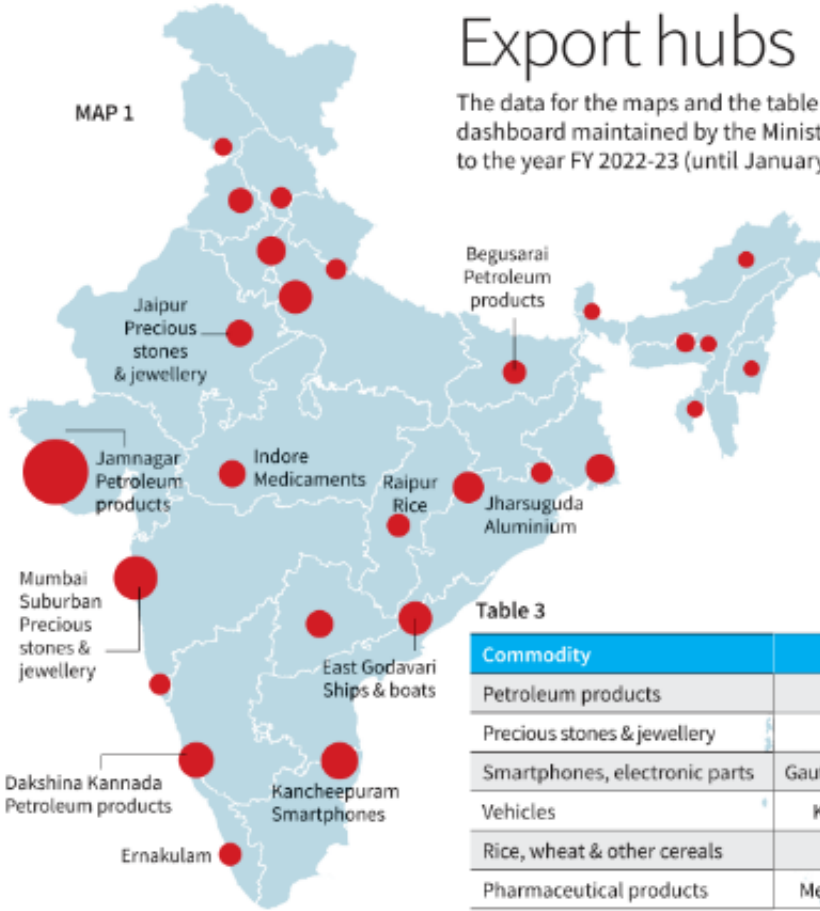


Table 3

Commodity	District	State	Share
Petroleum products	Jamnagar	Gujarat	67%
Precious stones & jewellery	Surat	Gujarat	36%
Smartphones, electronic parts	Gautam Buddha Nagar	Uttar Pradesh	26%
Vehicles	Kancheepuram	Tamil Nadu	21%
Rice, wheat & other cereals	Karnal	Haryana	17%
Pharmaceutical products	Medchal Malkajgiri	Telangana	15%

//

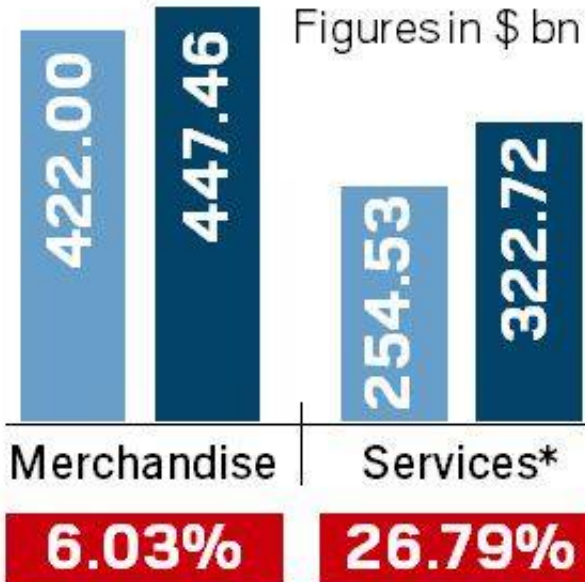
भारत में निर्यात क्षेत्र की स्थिति:

■ व्यापार की स्थिति:

- वस्तु व्यापार घाटा, जो कि निर्यात और आयात के बीच का अंतर है वर्ष 2022-23 में 39% से अधिक बढ़कर रिकॉर्ड 266.78 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जबकि वर्ष 2021-22 में यह 191 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।
- वर्ष 2022-23 में व्यापारिक वस्तुओं का आयात 16.51% बढ़ा, जबकि व्यापारिक निर्यात 6.03% बढ़ा है।
 - हालाँकि सेवाओं में व्यापार अधिशेष के कारण कुल व्यापार घाटा वर्ष 2022-2023 में घटकर 122 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो वर्ष 2022 में 83.53 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

EXPORT DATA

■ FY 2021-22
■ FY 2022-23 ■ Growth (%)



*Data for services sector released by RBI is for Feb 2023. Data for March 2023 is estimation. Source: Ministry of Commerce & Industry



■ भारत के प्रमुख निर्यात के क्षेत्र:

- इजीनियरिंग वस्तुएँ: वित्त वर्ष 2022 में 101 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के साथ इन्होंने निर्यात में 50% की वृद्धि दर्ज की है।
 - वर्तमान में भारत में सभी तरह के पंपों, उपकरणों, कार्बाइड, एयर कंप्रेसर्स, इंजन और जनरेटर के वनिर्माण से संबद्ध बहुराष्ट्रीय नगम रिकॉर्ड उच्च स्तर पर कारोबार कर रहे हैं और अधिकाधिक उत्पादन इकाइयों को भारत में स्थानांतरित कर रहे हैं।
- कृषि उत्पाद: महामारी के बीच खाद्य की वैश्विक मांग की पूर्ति के लिये सरकार के प्रोत्साहन से कृषि निर्यात में उछाल आया है। भारत 9.65 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के चावल का निर्यात करता है, जो कृषि जिनसों में सबसे अधिक है।
- वस्त्र एवं परधान: वित्त वर्ष 2012 में भारत का वस्त्र एवं परधान निर्यात (हस्तशिल्प सहित) 44.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर का रहा जो पिछले वर्ष की तुलना में 41% वृद्धि दर्शाता है।
 - भारत सरकार [मेगा इंडीग्रेटेड टेक्स्टाइल रीजन एंड अपैरल](#) (MITRA) पार्क स्कीम इस क्षेत्र को व्यापक रूप से बढ़ावा दे रही है।

■ फार्मास्यूटिकल्स और ड्रग्स: भारत मात्रा के हिसाब से दवाओं का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और [जेनेरिक दवाओं](#) का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है।

- भारत, अफ्रीका की जेनेरिक आवश्यकताओं के 50% से अधिक, अमेरिका की जेनेरिक मांग के लगभग 40% और यूके की सभी दवाओं के 25% की आपूर्ति करता है।

■ निर्यात क्षेत्र से संबंधित चुनौतियाँ:

- वित्त तक पहुँच: निर्यातकों के लिये कफायती और समय पर वित्त तक पहुँच महत्वपूर्ण है।
 - हालाँकि कई भारतीय निर्यातकों को उच्च ब्याज दरों, संपार्श्विक आवश्यकताओं और वित्तीय संस्थानों से वशिष रूप से लघु एवं मध्यम उद्यमों (SME) के लिये ऋण उपलब्धता की कमी के कारण वित्त प्राप्त करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
- निर्यात का सीमिति विविधीकरण: भारत का निर्यात कुछ क्षेत्रों में केंद्रित है, जैसे कि इजीनियरिंग सामान, कपड़ा और फार्मास्यूटिकल्स, जो इसे वैश्विक मांग में उतार-चढ़ाव एवं बाज़ार के जोखिमों के प्रति संवेदनशील बनाता है।

- नरियात का सीमति वविधीकरण भारत के नरियात कषेत्र के लयि एक चुनौती पेश करता है क्योकियहवैश्वकि व्यापार गतशीलता को बदलने के लयि अपने लचीलेपन को सीमति कर सकता है ।
- बढता संरक्षणवाद और वविश्वीकरण: वशि्व भर के देश बाधति वैश्वकि राजनीतिक व्यवस्था (रूस-यूकरेन युद्ध) और आपूरति शिखला के शस्र्तीकरण के कारण संरक्षणवादी व्यापार नीतियों की ओर बढ रहे हैं, जो भारत की नरियात कषमताओं को कम कर रहा है ।

आगे की राह

- अवसंरचना में नविश: नरियात प्रतसिपरद्धात्मकता बढाने के लयि बेहतर अवसंरचना और लॉजसि्टिक्स महत्त्वपूर्ण हैं ।
 - भारत को परविहन नेटवर्क, बंदरगाहों, सीमा शुलक नकिसी प्रकरयिओं और नरियात-उन्मुख बुनयिादी ढाँचे जैसे नरियात प्रोत्साहन कषेत्रों तथा वशिष वनिरिमाण कषेत्रों में नविश को प्राथमकिता देनी चाहयि ।
 - यह परविहन लागत को कम कर सकता है, आपूरति शिखला दकषता में सुधार कर सकता है और नरियात कषमताओं को बढावा दे सकता है ।
- कौशल वकिस और प्रौद्योगिकी को अपनाना: नरियातोनमुखी उद्योगों में कुशल श्रम की उपलब्धता बढाने के लयि कौशल वकिस कार्यक्रम लागू कयि जाने चाहयि ।
 - इसके अतरिकित स्वचालन, डिजिटलीकरण और उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकियों जैसे प्रौद्योगिकी अपनाने को प्रोत्साहन और बढावा देने से नरियात कषेत्र में उत्पादकता, प्रतसिपरद्धा एवं नवाचार को बढावा मलि सकता है ।
- संयुक्त वकिस कार्यक्रमों की खोज: वविश्वीकरण की लहर और धीमी वृद्धि के बीच नरियात वकिस का एकमात्र इंजन नहीं हो सकता है ।
 - भारत मध्यम अवधि के वकिस की बेहतर संभावनाओं के लयि अंतरकिष, सेमीकंडकटर, सौर ऊरजा जैसे कषेत्रों में अन्य देशों के साथ संयुक्त वकिस कार्यक्रमों का भी पता लगा सकता है ।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. नरिपेक्ष तथा प्रतवियक्त वासतवकि GNP की वृद्धिआरथकि वकिस के उच्च स्तर का संकेत नहीं करती, यदः (2018)

- औद्योगकि उत्पादन कृषि उत्पादन के साथ-साथ बढने में वफिल रहता है ।
- कृषि उत्पादन औद्योगकि उत्पादन के साथ-साथ बढने में वफिल रहता है ।
- नरिधनता और बेरोज़गारी में वृद्धि होती है ।
- नरियात की अपेक्षा आयात तेज़ी से बढता है ।

उत्तर: (c)

प्रश्न. फरवरी 2006 से प्रभाव में आए SEZ अधनियिम, 2005 के कुछ नरिधारति उद्देश्य हैं । इस संदर्भ में नमिनलखिति पर वचिार कीजयि: (2010)

- अवसंरचना सुवधिओं का वकिस ।
- वदिशी स्रोतों से नविश को बढावा देना ।
- केवल सेवाओं के नरियात को बढावा देना ।

उपर्युक्त में से कौन-से इस अधनियिम के उद्देश्य हैं?

- केवल 1 और 2
- केवल 3
- केवल 2 और 3
- 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

प्रश्न. "बंद अरथव्यवस्था" एक ऐसी अरथव्यवस्था है जसिमें: (2011)

- मुद्रा की आपूरति पूरी तरह से नयितरति होती है ।
- घाटे का वतितपोषण होता है ।
- केवल नरियात होता है ।
- न तो नरियात और न ही आयात होता है ।

उत्तर: (d)

[स्रोत: द हट्टि](#)

